



जागायाज और मिस्टर 420

मुफ्त
नसाम का एक पैसा



नागराज और मिस्टर 420

लेखक:—संजय गुप्ता
सम्पादक:—मनीष गुप्ता
कलानिर्देशन:—प्रताप मुलीक
चित्रांकन:—चंदू

बम्बई शहर में इन दिनों धूम मचा रखी थी
मल्लकारी सर्कस कंपनी ने—

जहां कहीं भी मल्लकारी सर्कस
कंपनी का शो होता है वं जरूर
पहुंचता हूं।

अरे भई, इनके शो भी तो
अद्भुत व आश्चर्यजनक होते
हैं। कोई छोड़ भी कैसे
सकता है।



स फुल था, टिकटें ब्लॉक में बिक रही थी।

के पिंजरे में बंद था एक आदमी।।

की बहादुरी
शेरों के बीच कैसा
ता रहता है, जिन्हें
एक बार ही
है।

काश !
मैं भी इतना
ही बहादुर
होता !

शो की लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से सहज हो गया कि वहां
नागराज भी मौजूद था।

अगर इसमें कहीं
कोई फाउल प्ले नहीं है
तो वाकई यह आदमी
बहुत बहादुर है।

फाउल प्ले गानि धोखेबाजी की गंध क्यों
सूँघ रहा था नागराज।



नागराज की तेज निगाहें उस बहादुर व्यक्ति को भेद सी
रही थीं।

इसकी आंखों में जीवन का
कोई आसार नजर नहीं आ
रहा मुझे।



तभी नागराज की निगाहें
केंद्रित हो उठीं जिसका मतलब
था कि वह किसी को सम्मोहित
कर रहा है।



सम्मोहित हुई वो निगाहें—



और सम्मोहित शेर ने
नागराज के इशारे पर
छलांग लगा दी उस
बहादुर व्यक्ति पर।



नागराज ने ऐसा क्यों किया ? क्यों एक जिंदगी को दांव पर लगाया ?

उपस्थित हर दर्शक के मुंह से चीखें
उबल पड़ीं जब शेर के जबड़े में बहादुर
व्यक्ति का पूरा मुंह समा गया।



अगले ही पल बाकी के शेर भी क्रोध पड़े उस उत्पात में।



बोटी-बोटी नोच जालगी थी अब उस युवक की खूंखार शेरों ने।

कुछ ही पलों बाद जब शेरों का गुस्सा शांत हुआ।



शिकार को छोड़ वे वापस पलट गए।

दर्शकों के मुखों से निकली और चीखें, किन्तु आश्चर्य रूपी, क्योंकि दृश्य ही कुछ ऐसा था।



नागराज के मुख पर खेल गई एक मुस्कान।

उसकी आंखों व चलने के अन्दाज से मुझे उसके मशीनी होने पर शक हो गया था।



एक बड़ी धोखेबाजी का भांडा फोड़ा नागराज ने।

शहर के दूसरे कोने में चल रहा था धमत्कारी सर्कस कम्पनी का दूसरा शो।



वही गंध... नागराज ने यहां भी सूंघी।



आंखों में घुन उठे इन घेरों का अभिप्राय है कि नागराज किसी को सम्मोहित कर रहा है।



दो निगाहें बंध गई उस सम्मोहन में।



तूफान की तरह
उठा युवक—



केबिन में घूमते साँपों को उठाकर तोड़ने लगा वह—

दर्शकों के बीच यह दृश्य देख
सनसनी सी दौड़ गई।



यह क्या कर रहा
है ? पागल हो गया
क्या ?

अब वह नाग
इसे जीवित ना
छोड़ेंगे

युवक ने कुर्सी उठाई और
शीशे के केबिन की दीवारों
पर मारने लगा।



केबिन से निकल कर नाग दर्शकों की ओर दौड़े।



दर्शकों में मच गया हड़कम्प...



हाहाकार मच गया वहाँ।

कन्तु आश्चर्य मिश्रित स्वरों के बीच सब थम गया।

अरे रुको, रुको। यह तो नकली मशीनी नाग हैं।

अरे हां, यह तो मशीनी नाग ही हैं।

एक और बेड़ा भाण्डाफोड़ हुआ था उस दिन नागराज के द्वारा।

भी रात बम्बई की एक ऊंची इमारत के नीचे लगी हुई थी असंख्य लोगों की भीड़।

इस व्यापारिक मंजिली इमारत की छत से चमत्कारी, बर्कस कम्पनी का आदर्श प्रदर्शन लगाकर सभी-समाप्त नीचे पहुंच कर दिखाएगा।

उस जांवाज युवक ने दर्शकों का अभिवादन किया...

यह आत्महत्या की कोशिश साबित होगी। यह व्यक्ति जीवित नीचे नहीं आयेगा।

दर्शक सांस रोक कर उसके छत पर पहुंचने का इंतजार कर रहे थे।

नीचे गिरते ही उसके शरीर के चिथड़े उड़ जायेंगे।

उफ! मैं यह दृश्य कैसे देखूंगी?

यहां क्या घोटाला हो सकता है?

फिर वह छत पर जाने के लिए पलटकर इमारत में प्रविष्ट हो गया।

नागराज का सोचना भी गलत साबित हो सकता है क्या?

इमारत की व्यापारिक मंजिल की छत पर रोशनी के बीच बिछाई दिया वह युवक—

अचानक नागराज की निगाहें धूम्र पिछली इमारत की तरफ।

इस व्यक्ति पर रोशनी इस इमारत की छत से फेंकी जा रही है।

किसी भी क्षण कूदने के लिए तैयार था वह। देर की जा रही थी जो सब दर्शकों के हृदयों में धिल बढ़ाने के लिए—

भीड़ में से निकला नागराज।

कुछ क्षण पश्चात वह उस इमारत की लिफ्ट तक पहुंच गया।

दिलो में खेलता रोमांच जब घमतीया पर पहुंचा, जांबाज युवक क्रोध पड़ा छत पर से।

किन्तु तभी उसका जमीन की ओर गिरा शरीर हवा में ही स्थिर हो गया—

लगता है इस FOUL PLAY यानि घोटाले का भी पर्दा-फाश मैं ही करूंगा।



दर्शकों में मची खलबली—

अरे ! यह क्या ?
यह युवक हवा में ही कैसे लटका रह गया ?



कुछ देर पश्चात दर्शकों की भीड़ को वीरता नागराज पहुंचा इमारत के सामने।

उपस्थित दर्शको !
आप जिसे हवा में अटका शरीर समझ रहे हैं वह वास्तव में उस सामने वाली इमारत से प्रक्षेपित किया जा रहा उस जांबाज युवक का त्रिआयामी अवस है।



नागराज की सूचना पाकर वहां पहुंच चुकी पुलिस ने गिरफ्तार किया घमत्कारी सर्कस कम्पनी के सभी कर्मचारियों को और इमारत में छुपे उस जांबाज युवक को भी।

घमत्कारी सर्कस कम्पनी की आड़ में चल रही किसी बड़ी धार सी धीसी का भाण्डा फोड़ने मैं उसके सरगना को शीघ्र पकड़वाकर।



में हुए इस काण्ड से मयी
की कहीं तीव्र खलबली।

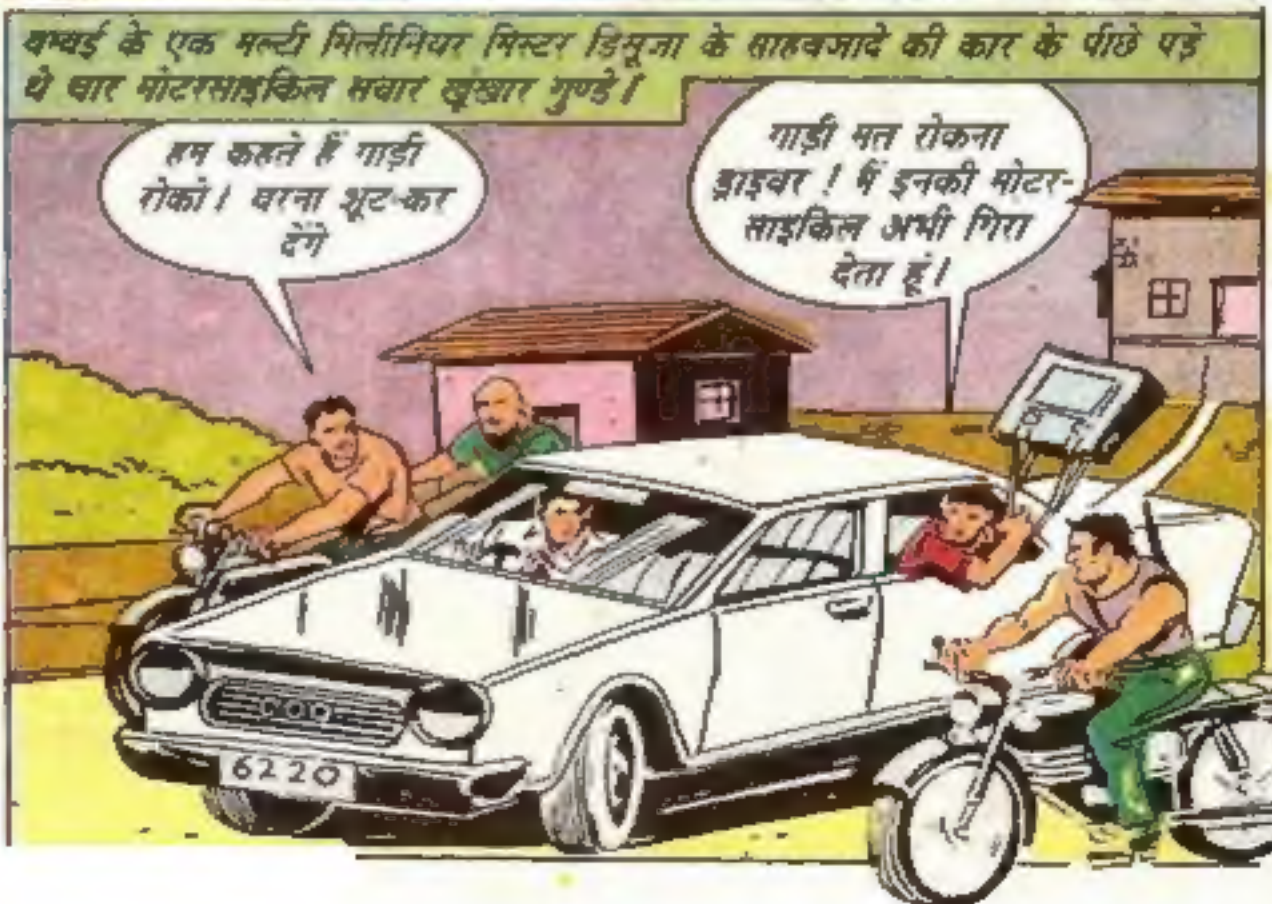
चमत्कारी सर्कस कम्पनी के नाम से
घोटाले करने वाले उस चार सौ बीस व्यक्ति मिस्टर
अण्टे की तलाश है अब पुलिस को। पुलिस फाइल
में जिसका नाम रखा गया मिस्टर 420.



रिमोट का बटन दबा और...

से स्क्रीन पर छा गया अंधेरा—

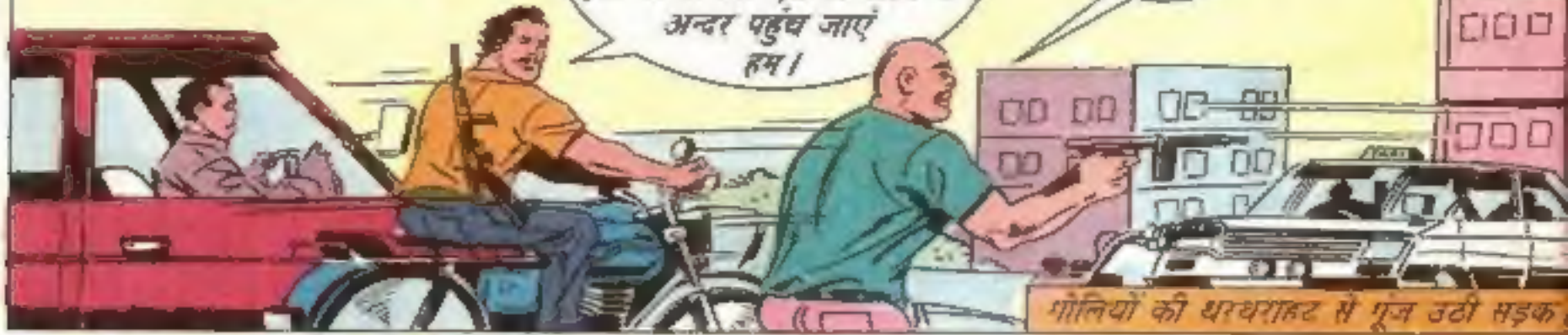
मिस्टर 420 नाम दिया गया
GENTLEMAN आपने देखा,
किस तरह नागराज ने हमारे सभी
ने धधे बंद कराए जिनसे हमें
प्राप्त होता था पैसा।...



लाने से आती टैक्सियों को देख उनके सड़ का बांध टूट गया।

कुण्टा, जल्दी करो, इसे गोलियों का स्वाद चखाओ। कहीं ऐसा ना हो कि ऐसे ही शहर के अन्दर पहुंच जाएं हम।

ठीक कहते हो।



गोलियों की धरधराहट से गूँज उठी सड़क

टैक्सी झटके के साथ एक साइड में रुकी। एक जाना-पहचाना चेहरा बाहर निकला उसमें से...

अपहरण की कोशिश की जा रही लगती है।



ओवरकोट उतार कर नागराज तेजी से टैक्सी से बाहर नि

और दरवाजा खोल ड्राइवर को अंदर धकेल खुद ड्राइविंग सीट पर जम गया।

जल्दी से परे सरक जाओ, मैं नागराज हूँ। उस बच्चे को मेरी मदद की आवश्यकता है।



अगले क्षण गति पकड़ टैक्सी धूम बुकी थी गुण्डों की दिशा में।

आने वाले छतरे से बेखबर सड़क किनारे गाड़ी रुकवाने में स हो गये थे गुण्डे।

धल बेटा सेंडो, अब तेरे बाप से तीस लाख रुपया मांगेगा बाँस!

जो हमते-हमते देगा वह। हा



मोटरसाइकिलें वहीं छोड़ गाड़ी में दाखिल हो गये चांगों।

चलो कुण्टा! मैं चलो कार अइडे पर।



किन्तु कुण्टा कार ना चला सका, क्योंकि उसके हाथ बंध चुके थे स्टॉपिंग कॉल के साथ।

तावा



हां नाग यानि नागराज के पहुंचने का संकेत।

ही डेर पश्चात मिस्टर डिमूजा पुलिस
न से बाहर निकल रहे थे अपने
गोण्डों के साथ।

डिडी !

नागराज ने उन
बदमाशों की वो धुलाई
की कि अब सारी उम्र
अपराध नहीं करेंगे
वो।

THANKS
NAGRAJ
बेटा ! यदि
कुछ हो जाता
हम जिन्दा
ही रह पाते।



तनकारी मच गई जब यह खबर
मिस्टर 420 के पास पहुंची।

नागराज !

नागराज ! नागराज ! चंद
घंटों में तबाह कर दिया उसने
हमारे PROJECT को।



पर अपने अगले अंजाम से भी वाकिफ ना था वह।

तभी उस ऐसी आवाज ने धरा दिए उपस्थित हर व्यक्ति के हृदय।

ठिकाना बदलने की अब
तुम्हें कोई जरूरत नहीं मिस्टर
अण्टे उर्फ मिस्टर 420, क्योंकि
तुम्हारा ठिकाना बदलने आ
पहुंची है अब पुलिस।



ये उबाल उठा मिस्टर 420 नागराज को देख-

सोखचों के पीछे पहुंच गए चमत्कारी इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के सभी चेहरे-



नागराज!

नागराज!



मिगार को चबाता चला गया
वह अत्यधिक क्रोधवश।

मिस्टर डिस्जूजा के घर शानदार डिनर पर आमंत्रित था नागराज—

मिस्टर डिस्जूजा, आपके
वेरिटी अनाथालयों व अस्पतालों
के बारे में बहुत सुना है
मैंने।

कल सुबह मैं
आपको अपने सभी
अनाथालय व अस्पताल
दिखाने ले चलूंगा।

सेण्डो व डिस्जूजा से सहन सी बातों व क
देर के आराम में कट गई वह रात।

अगले दिन मिस्टर डिस्जूजा नागराज को ले चले
दिखाने डिस्जूजा वेरिटीअल अस्पताल व अनाथालय।

नागराज ! इन्कम-
टैक्स देने के बाद मेरी
कमाई का सत्तर प्रतिशत
हिस्सा वेरिटी के काम
आता है।

आप धन्य हैं मिस्टर
डिस्जूजा, जो गरीबों के लिए
कमाते हैं। इन जम्बरतम
मिले मुफ्त इलाज
दवा।

... के बदले निकलती
इनकी लाखों दुआएं आपकी
जिंदगी को खुशियों से
भरा देंगी।

इनकी दुआओं
का ही तो नतीजा है
नागराज ! जो सेण्डो
को बचाने तुम
पहुंच गये।

और डिस्जूजा वेरिटीअल अनाथालय पहुंचे।

अंधे बच्चे !

नागराज इस अनाथा-
लय में बहुत से अंधे बच्चे
पल रहे हैं।

हां, अंधे बच्चे ! हमारे डाक्टरों
ने शोध के बाद यह निष्कर्ष निकाला
है कि यदि मोरका नस्ल के सांप का विष
इस्तेमाल किया जाए तो इन बच्चों के
रेटिना पर छद्म जाला काटा जा
सकता है और.

इनकी आंखों में रोशनी लाई
जा सकती है। किन्तु..

..किन्तु मोरका नस्ल
के सांप मूँहया ना हो पाने के
स्थिति में यह असंभव
है यही ना।

अस्पताल से निकले वे
कार में सवार हो



के दूढ़ स्वर निकले
 मैं लाकर दूंगा
 मे मोरका नस्ल के
 का विष कि- इस
 म दम 111
 लगने।

आह ! नागराज ! अगर
 यह सम्भव हो गया तो डिसूजा
 तुम्हारा गुलाम हो जाएगा।

डिसूजा ! तुम महान आदमी हो !
 तुम्हारी आत्मा, तुम्हारे विचार
 सब महान हैं।

नागराज ने 111 की डिसूजा
 की मे सम्मान दीप के लिए -

यु 111 !
 रमा है नली
 मय 1 गहकरी
 म 11 गला
 111।

हमें
 तुम्हारा बहुत
 इज्जत रहगा
 नागराज।



हेलिकॉप्टर उड़ चला..



मोरका नस्ल के नाग
 केवल नागमणि द्वीप में ही रह
 गये हैं। वह भी सीमित संख्या
 में। इस युग का वातावरण उन्हें
 साफिक नहीं आता, इसलिये
 वे खत्म होते जा रहे हैं, किन्तु
 मानवता के नाते मैं उन्हें
 विष देने को राजी कर
 लूंगा।

मुकदमा चला मिस्टर 420 पर और सजा काटने के लिए उसे व उसके वैज्ञानिक
 साधियों को एक सुरक्षित जेल में भेज दिया गया।



देशभर के शान्ति व सुखार अपराधी ये इस जेल के कैदी।

ये एक वादा होता है जिसका हुक्म अन्य सभी कैदी

को-
 लड़ रहा है यह
 जेल में

साले, नया आया है नभी
 नहीं भालूम, दादा पेड़ो है। जेल
 में जेलर की नहीं उसकी हुक्मत
 चलती है। पाम आए तो सलाम
 ठोकियो वरना वो ठोक देगा,
 ममझा।



बाथो को मेक आये वहा। दादा पेड़ो

काई आर हैं
 जो ललकारेगा
 दादा पेड़ो को।



हा वहने पर दौड़ रही थी
 हनाइया।

इसी दिन जेल के एक सुनसान कोने में हुई एक बड़ी डील.



तुम्हारा प्लान
जल्द सफल
होगा।

इसी में तुम्हारा
हमारा और हमारे
बहुत से साथियों का
फायदा है।

रात्रि के भोजन के लिए इकट्ठे हुए सभी कैदी ख

पंक्तिबद्ध



क्या देरी है ?
भूख के भारे जान
निकल रही है।

बुप मूर्ख,
वादा खा
खाना



वह लाइन तोड़ बाहर निकल आया



मैं नहीं
ठक सकता किसी
के लिये। देख नृणा
अब तुम्हारे पंडो
को भी।

आग के होलनाक परिणामों से दहल गया प्रत्येक कैदी का बि

वह जैसे ही घुसा
एक जबरदस्त ठाकर ने उसकी
फ्लट उछाल फेंकी।



आज कुछ ज्यादा ही खोफनाक था
वादा पंडो का स्वर

अब तू भूखा
ही बरगा
भीड़ !



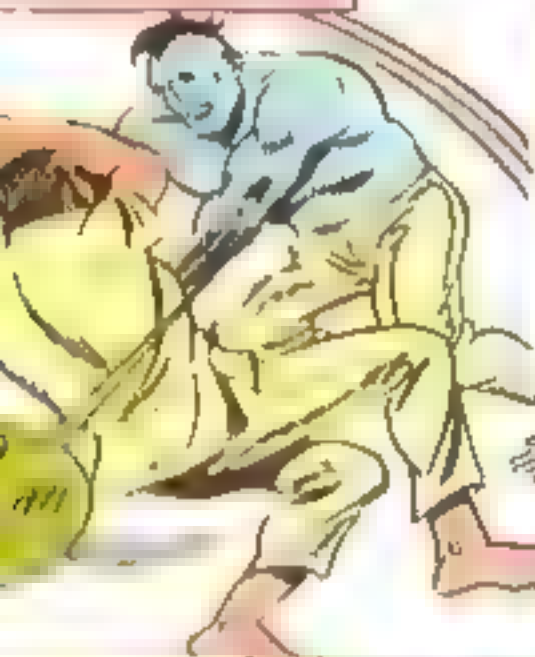
पहला बार किया मिस्टर 420 ने

कौन बेल्ट हासिल है कुंग
कुंगफू के आगे बड़ा शरीर
नहीं रखता।



हर शल्य हैगन था पहली क
बार किया वादा पंडो

बैठा पेड़ों, उछला वह—



तूने दादा पेड़ों को नहीं,
यमराज को ललकारा
है।



मुह से जलता हुआ सिगार निकाल 420 ने पेड़ों
के मुह में घुसेड़ दिया।

ले इस आग
का स्वाद चख यमराज
के चाचा।



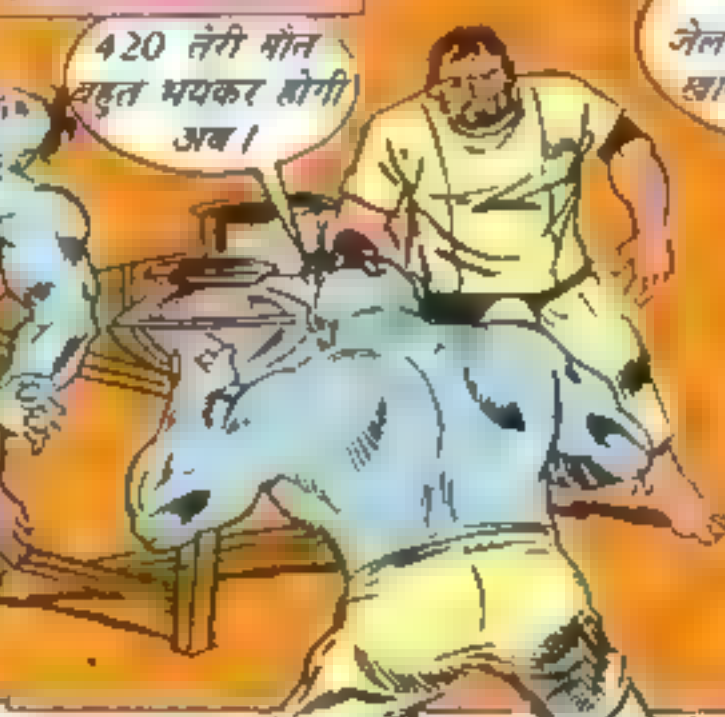
पेड़ों का हलक तक जलना चली गया सिगार।

मिस्टर 420 ने उछला—



किन्तु विद्युत गति से उठ कर दादा
पेड़ों 420 की ओर...

420 तेरी मौत
बहुत भयकर होगी
अब।



भगल पल हवा में टगा हुआ था मिस्टर 420।

जल का
जेलर भी मेरे बाद
खाना खाना था।



के हाथ आया भोजन का
ताने से मारा पेड़ों के मुह पर—

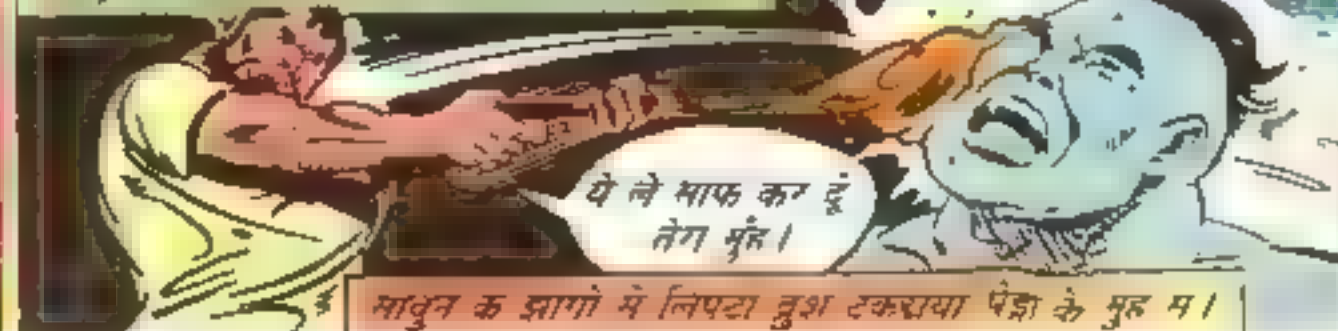


दर्द से आखें मिचमिचाने पेड़ों ने उछाल फेंका 420 को।



उसकी कमर टकाई पकड़ी धरती से।

किन्तु इस वक्त दर्द से नहीं मौत से बचना था।



ये ले भाफ कर दूँ
तेरा मुँह।

साबुन के झागों में लिपटा बुश टकराया पेड़ों के मुह में।

यह पकड़ी पेड़ों की आँखों से—

खुलने की कोशिश करती आखें फिर बंद हो गईं।

बूढ़ा पंडा 420 पेड़ों की पीठ पर—

पेड़ों की गर्दन जा फसी साबुन के दानी चाल्टी में।



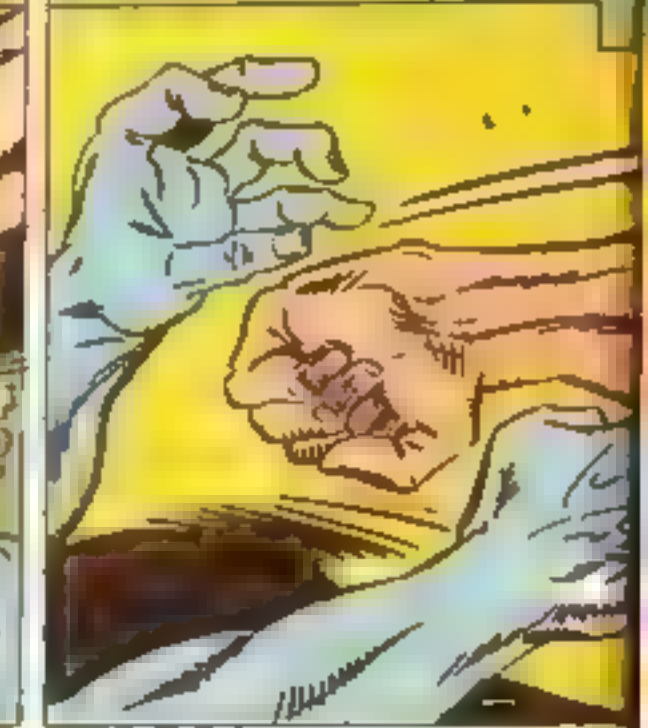
दादा पेड़ों से
पंगा बहुत महंगा पड़ेगा
तुझे 420.



फिर कोई भीका ना भिला पेड़ों को—

दादा की सारी दादागिरी धो डाली उसने—

दुरी तरह हाय-हाय निकल रही थी दा



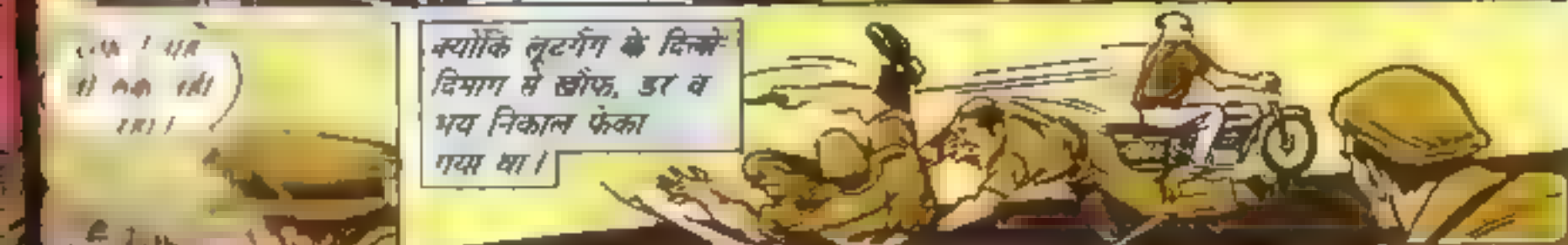
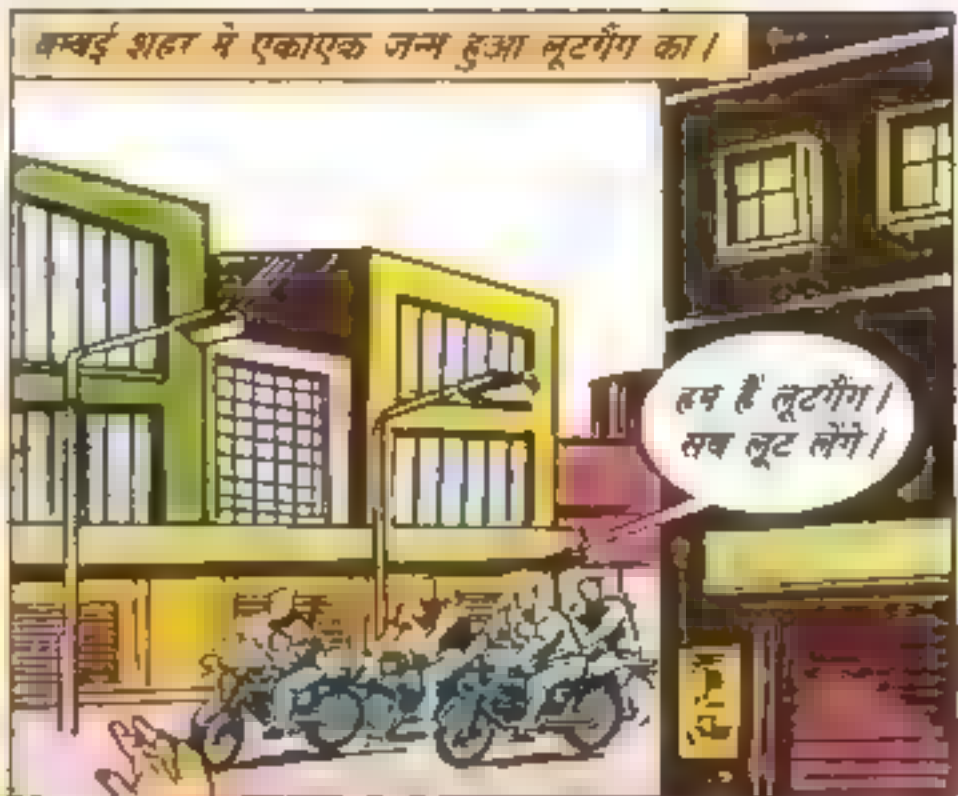
और उस प्रलयकारी ठोकर ने तो
वम ही निकाल दिया पेड़ों का—

बस बस और
नही भागे। मैं भागा,
तुम जीते दादा
420

ठीक है बच्चे, जा
माफ किया।



भाज में जेल का दादा
मिस्टर् 420। अब जेल
चलनी थी उसकी हुकूमत



उनके हथियारों से पहले गरज उठी उसकी स्टेनगन।

मैं हूँ गनमास्टर G नाइन। लूटगैंग का प्रोटेक्टर हर लूटगैंग के साथ चलता है।



एक-एक गोली एक-एक सिपाही की जिंदगी हरती घनी गई।

अपना काम पूरा कर भाग लिया गनमास्टर

प्रोटेक्टर जो लूटगैंग को ऐसे किसी भी संभावित खतरे से बचाता है।



गनमास्टर G नाइन का निशाना कभी खाली नहीं जाता।



अंधेरे में विलीन हो गया लूटगैंग व उसका



उसी रात शहर के दूसरे हिस्से में लूटगैंग का दूसरा दल लूट रहा था बैंक—

शाबाश बच्चो ! निकल चलो, जल्दी।

STATE BANK OF



सभी बैंक में सवार होते चले गये।

बाकी बचा उनका प्रोटेक्टर बुधर जिसकी छाती से आ लगी थी एक गार्ड की पिस्टल—

झाकू फेंक कर उन्हें रोको यरना

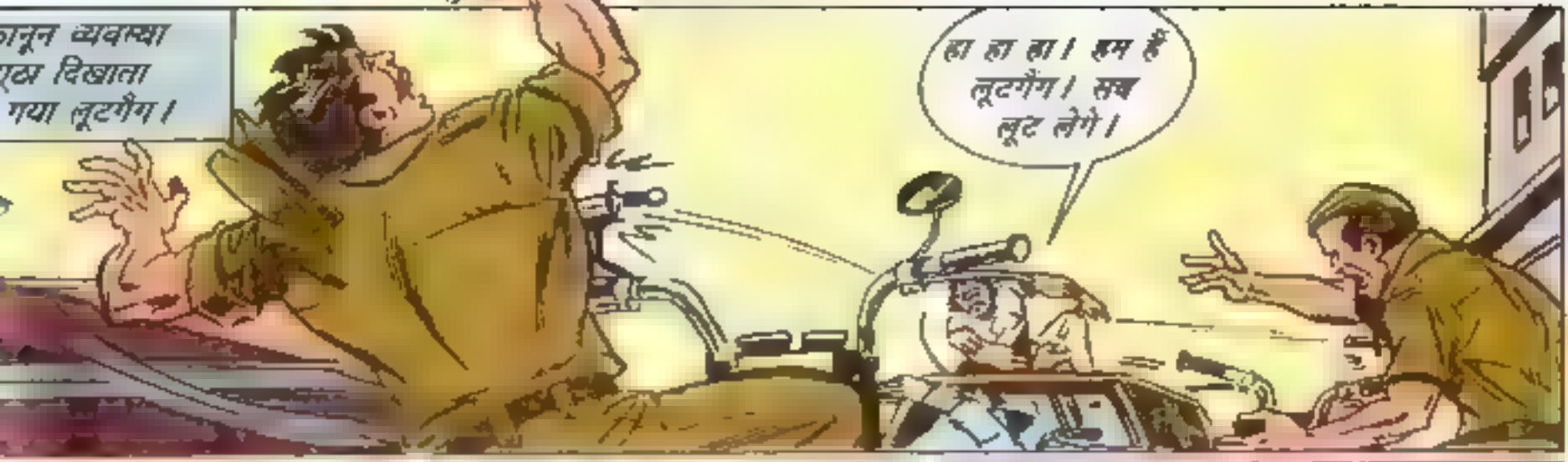
उन्हें रोक ! अबे उन्हें तो अब ऊपरवाला भी नहीं रोक सकता।

राय धूमा बुधर का और राय कट गया गार्ड का—

बुधर कहते हैं मुझे। बुधर यानी कसाई।



पिस्टल बिना कोई करतब दिखाए जमीन पर शहीद हो गई।



किन्तु उसके फायर करने से पहले गूँज उठा एक धमाका—

प्रकट हुआ लूटगैंग का एक और प्रोटेक्टर, भगोड़ा।

हा हा हा !
बेचकूफ ! भूल गया
या क्या कि लूट गैंग
हमेशा एक प्रोटेक्टर
के साथ चलती
है।

अपना काम निबटा कर कूच कर गया लूटगैंग।

तभी उजड़े हुए कक्ष में प्रवेश किया नागराज।

मिस्टर डिसूजा !
मिस्टर डिसूजा.... मिस्टर
...डिसूजा !

बुरी तरह तड़पते डिसूजा पर नजर पड़ी नागराज की।

बुरी तरह साम उखड़ने लगी थी अब उसकी—

देखो ना...नागराज तुम्हारे
आने तक मैंने तो तुम्हारी इतजार
की, किन्तु अ. अब बाकी काम
तुम्हें खुद करना होगा सेण्डो
सेण. डो के साथ
उसका .

.. ध्यान
रखना। वह आता ही
होगा ..तुम्हें अंधो को
रोशनी जरूरी देनी है
नागराज ! विदा .
अलविदा ..अ ह
आह..

एक तरफ दुलक गई उसकी भिजी

धमाके के जोर से उसका शरीर हाल के कर्श पर आ टपका।

नागराज दीड़कर उसके समीप पहुँचा।

मिस्टर डिसूजा !
यह क्या हुआ ? यह किसने
किया मिस्टर डिसूजा ?

न ना
नागराज, बहुत देर
कर दी भिन्न
तुमने।

डिसूजा
उसे लूटगैंग के बारे में बताना चला गया।



सेण्डो का बूढ़ा गुंजा वहा—
सेण्डो

नागराज
अधे बच्चो को रोशनी
जरूर मिलेगी। मैं दूंगा तुम्हारा
साथ ! डैडी की अंतिम
इच्छा जरूर पूरी होगी
नागराज !



सेण्डो ! इस
मान आदमी के
रो को बहुत बुरी
सीन दूंगा मैं !

और मैं इस महान
आदमी की राह पर
चलकर लोगों को जिंदगी
दूंगा नागराज !



मिस्टर डिमूजा के डाक्टरों को सॉप दिया गया मोरका नम्ल के सापो का चिप !

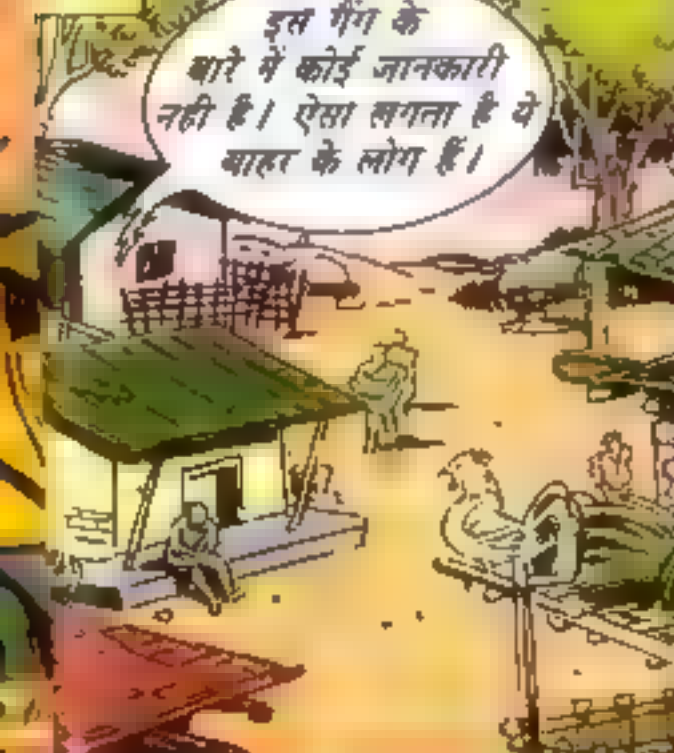
हम शीघ्र ही वहा
ववा बना लगे जिनसे अधे
बच्चों की आंखों में रोशनी
आ सके !

थैंक्यू डाक्टर !
मिस्टर डिमूजा की
अंतिम इच्छा जरूर
पूरी होनी
चाहिए !

सेण्डो को घर भेज नागराज चल पड़ा... !

बाद पुलिस आई और मिस्टर डिमूजा का
शास्त्रार्थ के लिये भेज दिया गया !

अपराध के शास्त्र लोगो तक जा पहुंचा



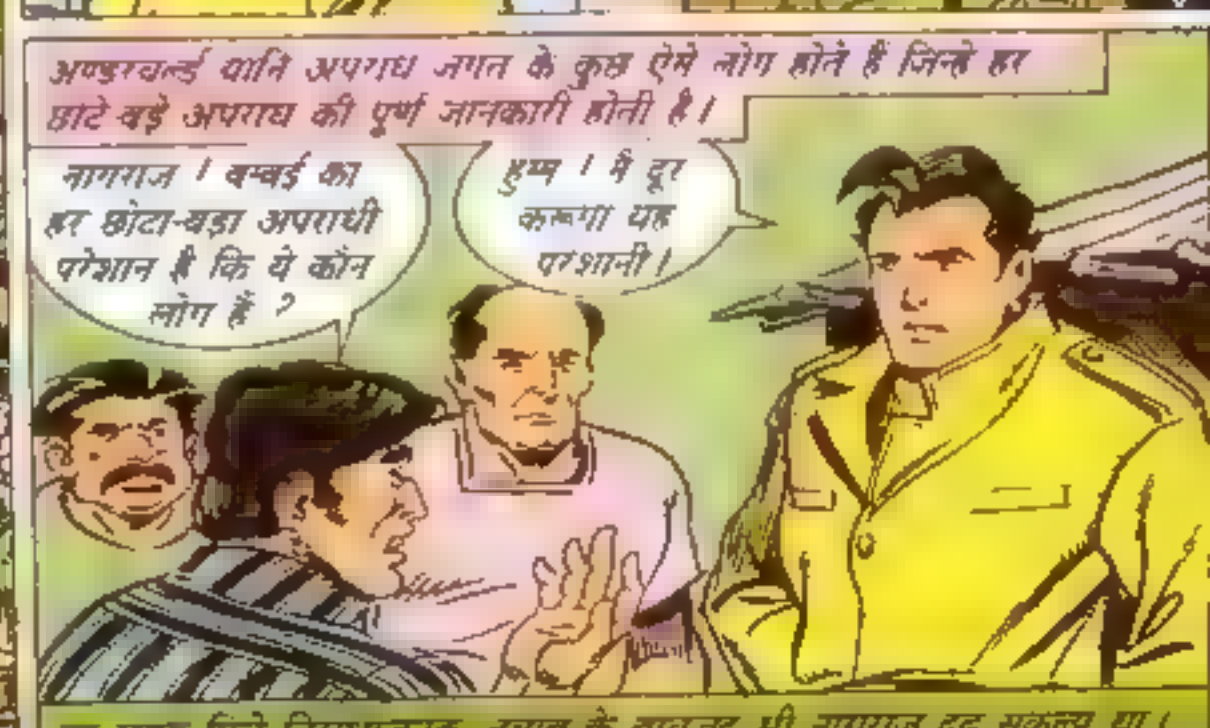
इस गैंग के
बारे में कोई जानकारी
नहीं है। ऐसा लगता है ये
बाहर के लोग हैं !



लूटगैंग की तलाश में—

लूटगैंग के
बारे में कोई
जानकारी है ?

नहीं बाबा,
नहीं !



अपराधवादी अपराध जगत के कुछ ऐसे लोग होते हैं जिन्हें हर
छोटे बड़े अपराध की पूर्ण जानकारी होती है !

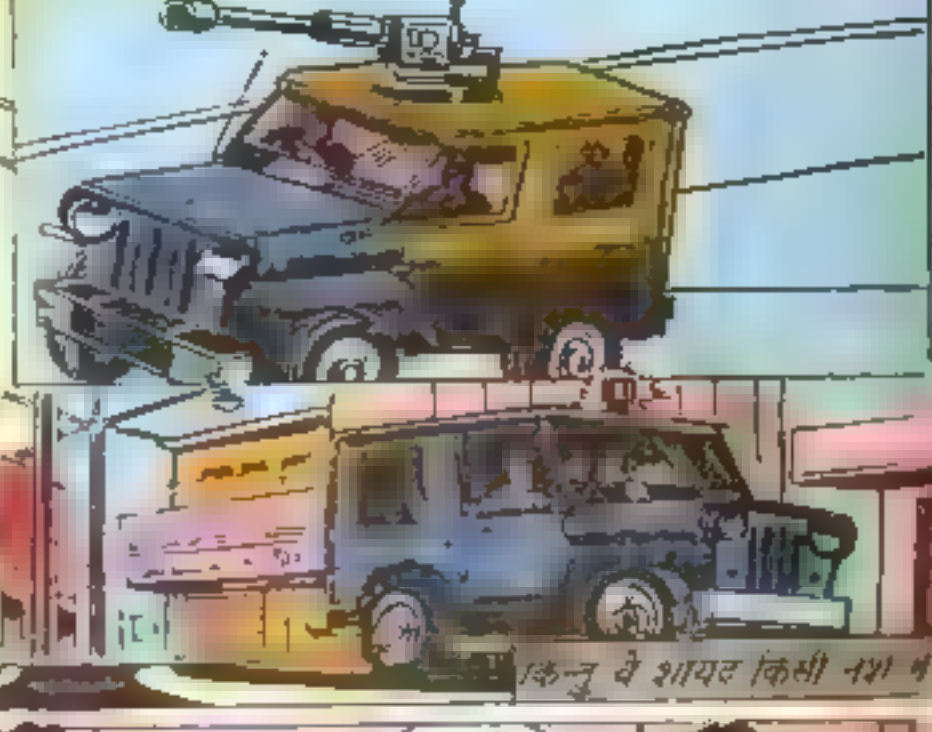
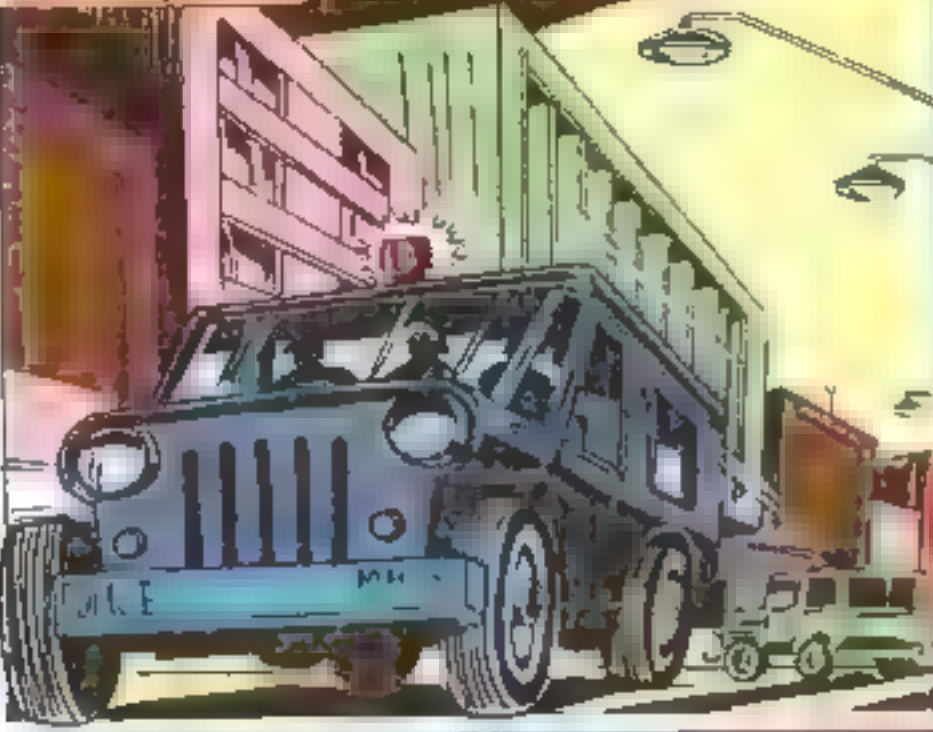
नागराज ! बम्बई का
हर छोटा-बड़ा अपराधी
पेशान है कि ये कौन
लोग हैं ?

हुम्म ! मैं दूर
कलगा यहा
परशानी !

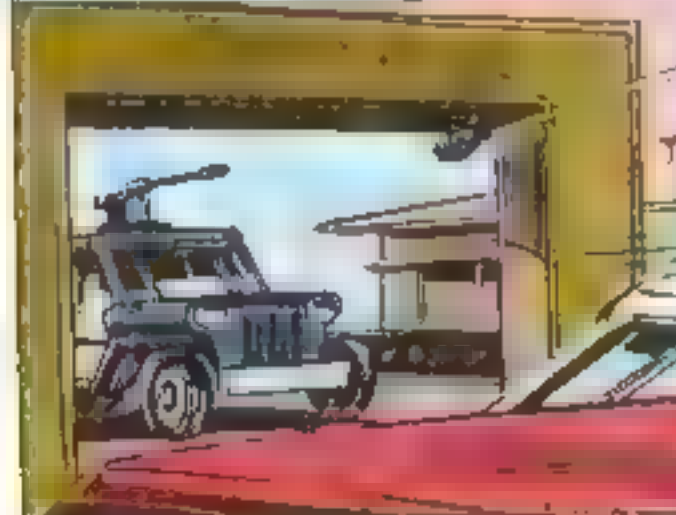
अपराधवादी निगशात्मक जवाब के बावजूद भी नागराज हड़ सकल्य था !

बेधक लूटपाट को देखते हुए सम्पूर्ण पुलिस डिपार्टमेंट सचेत हो चुका था।

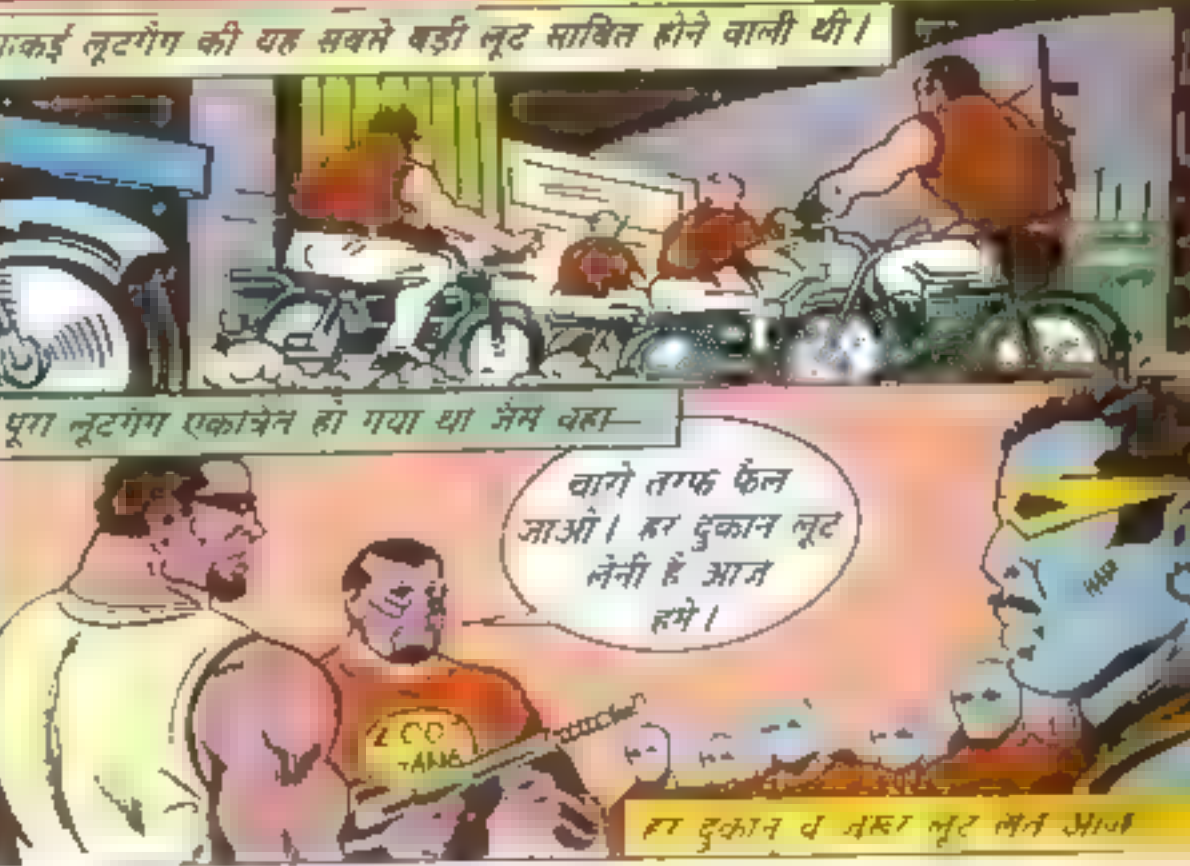
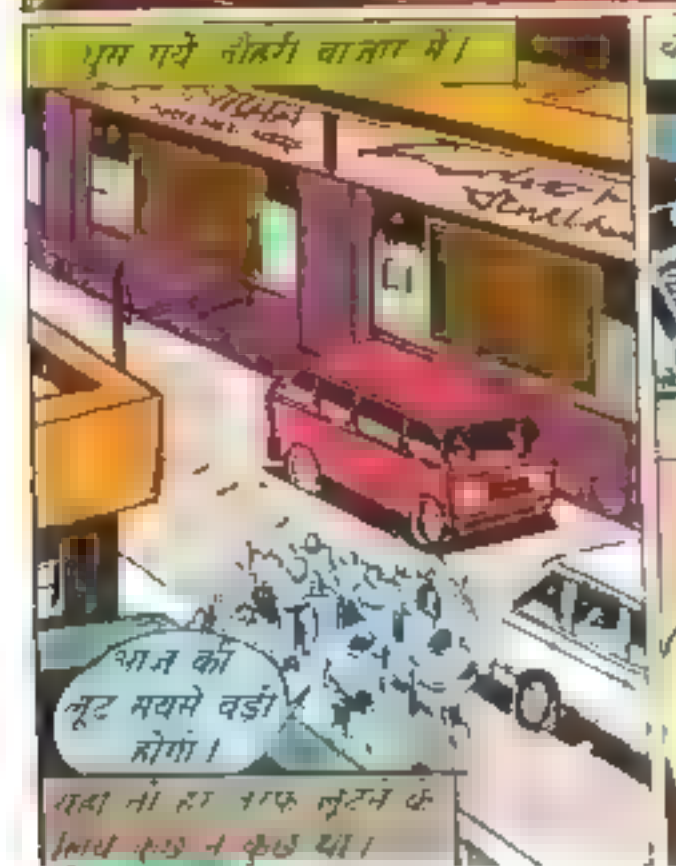
इतनी गश्त के बाद लूटपाट की कोशिश करना आत्महत्या जैसा प्रयास होता—



शायद दीवाने थे वो क्योंकि उन्हें जैसे किसी अन्जाम की परचाह न थी।

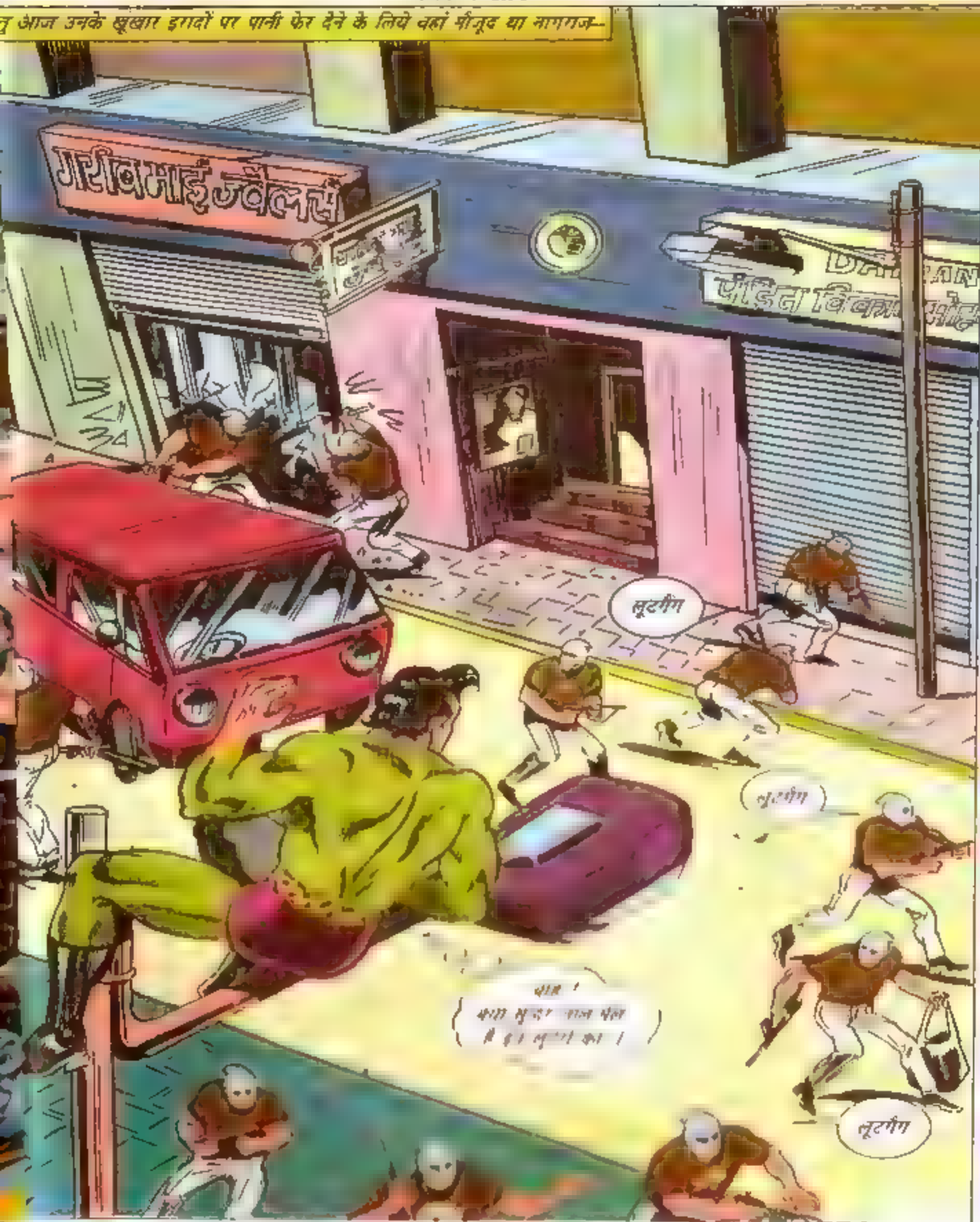


गश्त में खड़ी रक़ावट को गंदकर



हर दुकान व ज़रूरी लूट लेते आज

आज उनके सूखार इगदों पर पानी फेर देने के लिये वहाँ मीनूद या नागगज-



नागराजी दौड़ पड़ी दुकान का माल लूटते लुटेरों की तरफ—



देखने ही देखने दोनों बंध गए नाग बंधन में।

हाय ! यह क्या साप ?



दोनों के ही जीवन का सबसे बड़ा आश्चर्य था यह दृश्य।

नागराज आ गया एक्शन में—

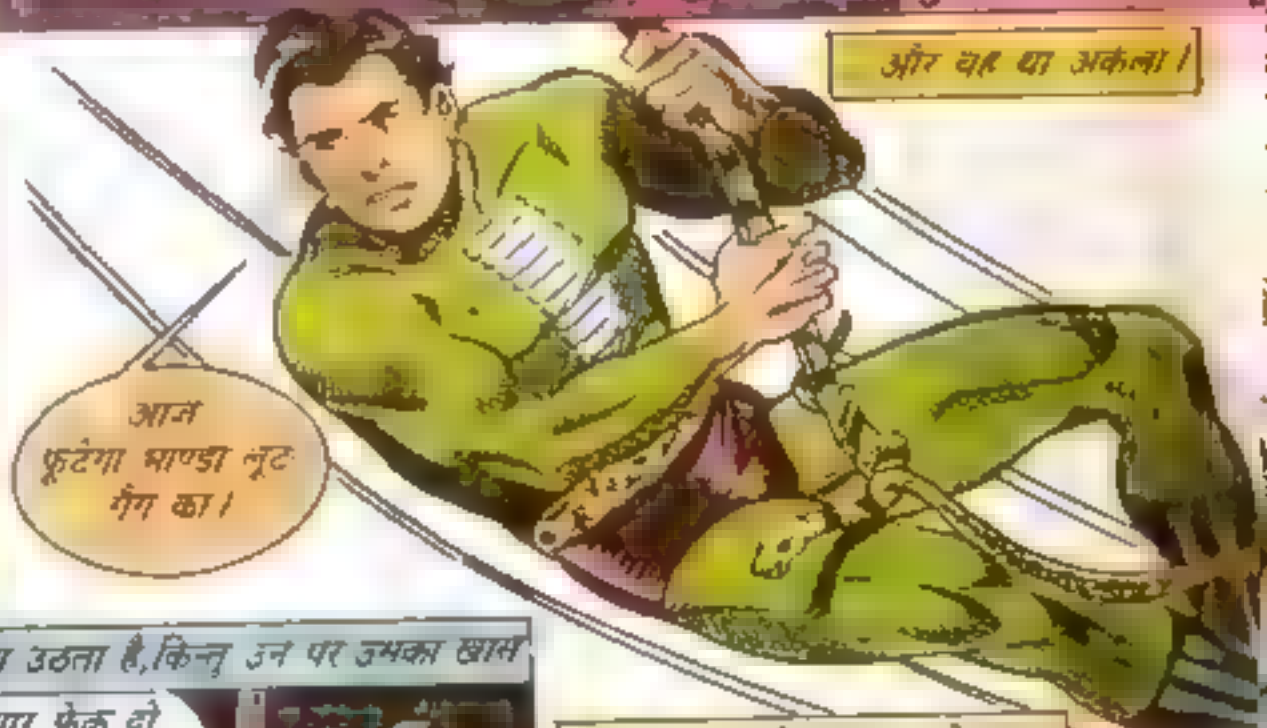


लुटेरों आखरी लूट के लिये आए थे तुम !

नागराज !

लुटेर थे पचासवा

और यह था अकेला !

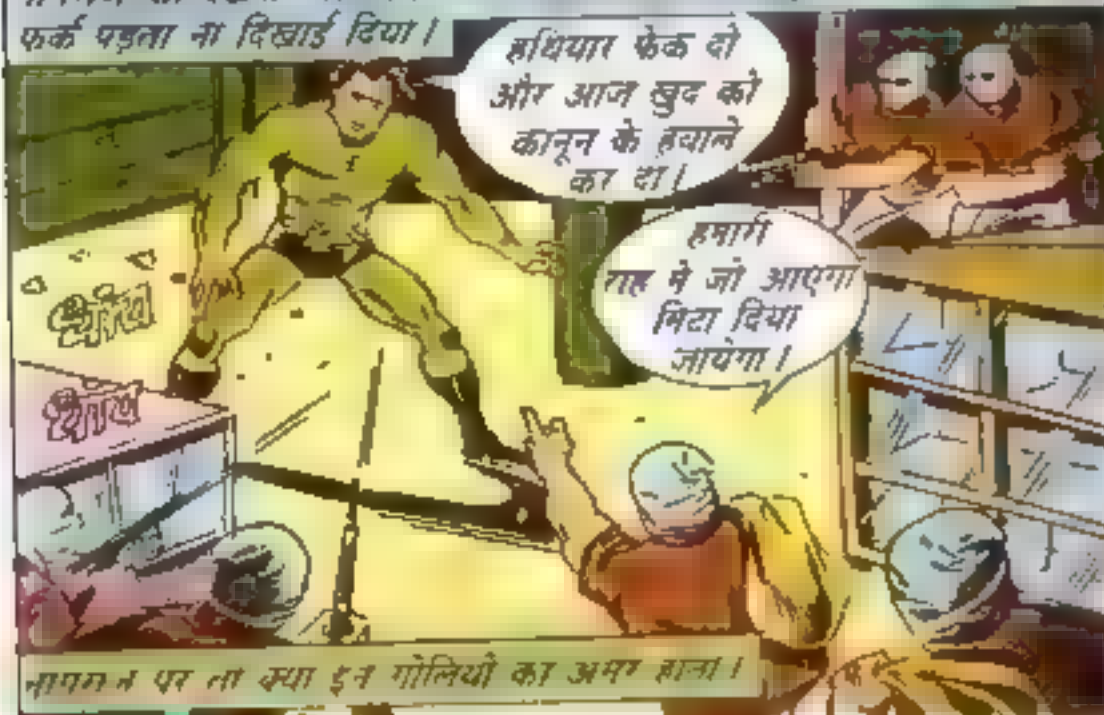


आज फूटेगा भाण्डा लूट गैंग का।

नागराज को देखकर अपराध जगत कांप उठता है, किन्तु उन पर उभका खास फर्क पड़ता ना दिखाई दिया।

हथियार फेंक दो और आज खुद को कानून के हवाले कर दो।

हमारी राह में जो आएगा मिटा दिया जायेगा।



नागराज पर तो क्या इन गोलीयों का असर होगा।

हा, नागराज की फुफकार ने जल्द उनके होश मिटा दिए।



नृप ना बलाश हूँ । किन्तु उर्का फाऊन । किसी को सचेत कर दिया होगा।

और पल के हजारवें हिस्से में नागराज के सामने आ खड़ा हुआ बुचर।

लूटगैंग के साथ ऐसा हंगामा पहली बार हुआ है बच्चे !...

उफ ! यह तो बहुत तेज है।

और बुचर, तेरी चमड़ी को छील कर तुझे इस गलती की बड़ी भयानक सजा देगा।

के शिकंजे में फंसा साध—

नाज पर कुबाजी का ही चलेंगा नान !

का नागराज ने लूटगैंग के उस को—

लूटगैंग को अब कोई नहीं बचा सकता।

फुर्ती से खड़ा हुआ बुचर और एक साथ कई धाक उछाल फेंके उसने नागराज की ओर—

अब तुझे कोई नहीं बचा पाएगा नागराज !

खव्व-खव्व खव्वाक धुमते चलते गए सभी धाक नागराज के जिम्मे में।

कोई और होता तो बेशक धमलोक पहुंच चुका होता।



किन्तु नागराज खड़ा मुक्करा
रहा था क्योंकि—

नागराज
पर चाकूओं का असर
नहीं होता भूख ! क्या
यह भी नहीं जानता
तू ?

नागराज की उस लम्बी उछाल व ताकतवर
किक ने उसके आश्चर्य को दोगुना कर दिया।

अभी मुझे
पूरे लूटगैंग को
रोकना है बुचर, इस-
लिए तेरा खेल जल्दी
समाप्त होना जरूरी
है।

बेहाशी के अधिकार में डूबता चला गया।



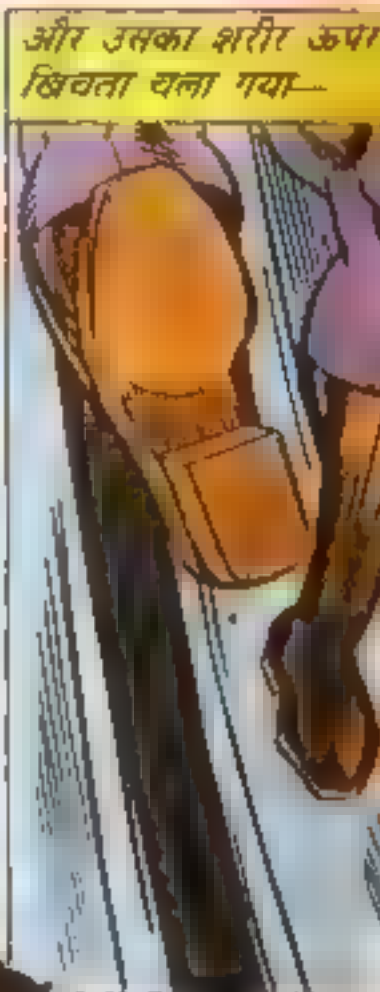
लुटेरों की लूट पूरी जबानी पर थी उस समय—

सोना, चांदी,
हीरा, जो मिले सब
भर लो अपने बैग में। गन-
मास्टर के रहते कोई आपत्ति
नहीं आने वाली।



किन्तु तभी वह चढ़कर बोलते गन-
मास्टर G नाइन के गले में आकर पड़ी
नागरस्त्री—

हय
लूटगैंग है।
आ. उठ !



और उसका शरीर ऊपर
खिंचता चला गया—



नागराज के अत्यधिक क्रोध से सामना हुआ
गनमास्टर G नाइन का।



अपराध और अपराधियों
से मछल नफरत है
मुझे।

उस ताकतवर घुमे के फलफार

पड़ा गनमास्टर

इन

लूटगींग के प्रोटेक्टर
को ललकारा है
गुमने !

वह और नागराज पर वनावन
पर ठोकता घला गया

और लूटगींग के
प्रोटेक्टर की ताकत से
किफ नहीं तू। मेरा कोई
निशाना खाली नहीं
जाना।

और गनमास्टर का कोई निशाना खाली गया भी नहीं,
किन्तु

जब सामने
नागराज खड़ा हो तो
गोलियों को अपने असली
होने पर शक होने
लगता है।

नागराज की कसाई सीधी हुई और
नागानन्द उड़ चला गनमास्टर की ओर

इतका पिस्टल
लेकर आओ
नागानन्द !

अगले ही पल वह
नागराज के नाक में निशाना
ले चुका था।

नागराज का कहर बरस पड़ा उस पर



नागराज बिजली का पुतला बना हुआ था आज रात।



नागराज नीचे आया।

नाग बंधन में जकड़े गये पादों—

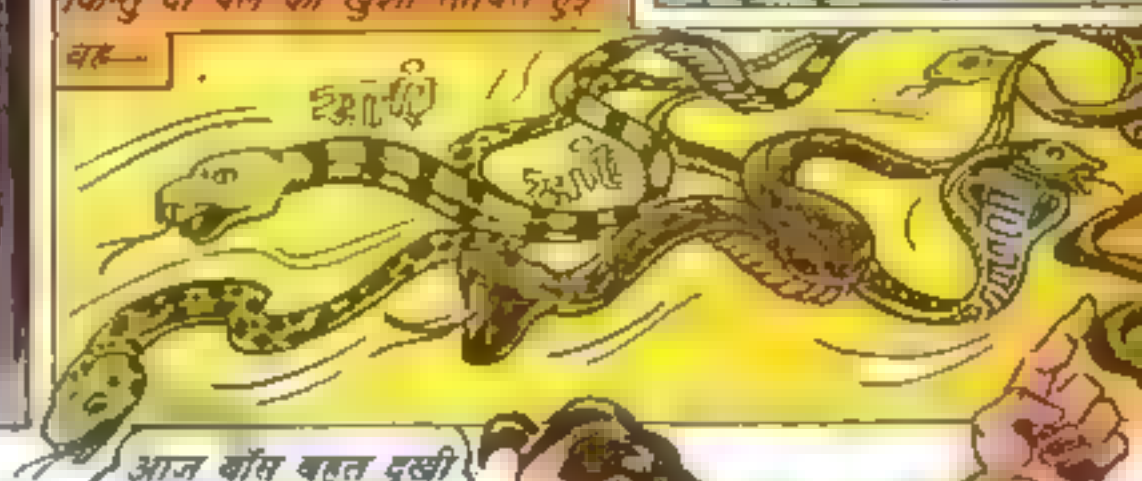
और तभी लुटेरे दुकान लूट कर बाहर निकले—

शाबाशी भी देगा।

आज बॉस बहुत खुश होगा।

किन्तु दो पल की खुशी भावित हुई वह—

बहुत खुश थे लुटेरों के वे

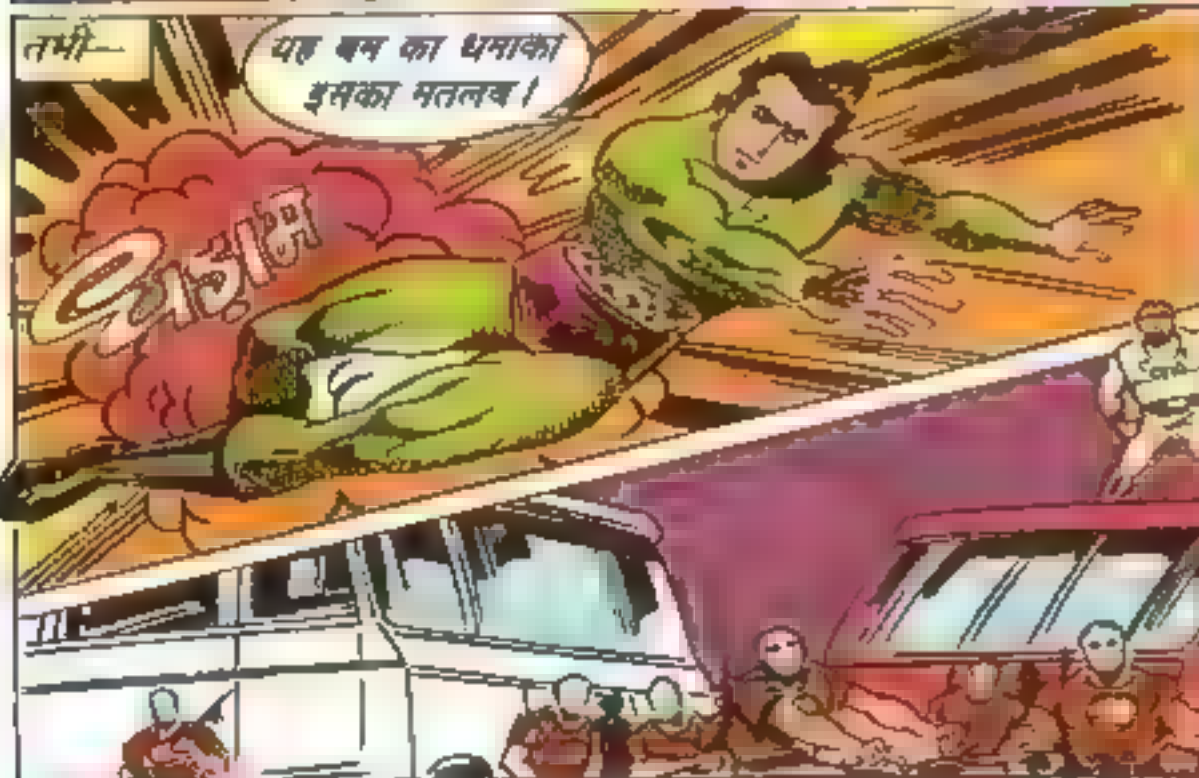


आज बॉस बहुत दुखी होगा और तुम्हें गालिया देगा बच्चो।



तभी—

यह बम का धमाका इसका मतलब।



यह वही शख्स जिसने मिस्टर डिग्गी की जान ली बम से।



नागराज की किक ने उछाल फेंका भगोड़े को

तैरा अत समय
आ गया है। नीच व्यक्ति
तू ही है जिसने मिस्टर डिमूजा
की हत्या की थी।

क्रोध की अधिकता व भार की पीड़ा से अंधे हुए भगोड़े ने
बम उछाल फेंका।

भगोड़े के
अवर के बाल्व को
सुलगा दिया है
तू।

परिणामतः

सभी सवारियां नष्ट हो गईं।

नागराज के ठहाकों ने गुंजा दिये भगोड़े के कान—

हा हा हा। सुलग
हुए बाल्व, अब लूटगींग
कैसे भागेगा ?

नागराज ! अब
तू जीवित नहीं
बचेगा।

भगोड़े ने एक हेण्डग्रेनेड का पिन खींच लिया

हल्ले की चह
उछालती,
नागराज ने नाग।

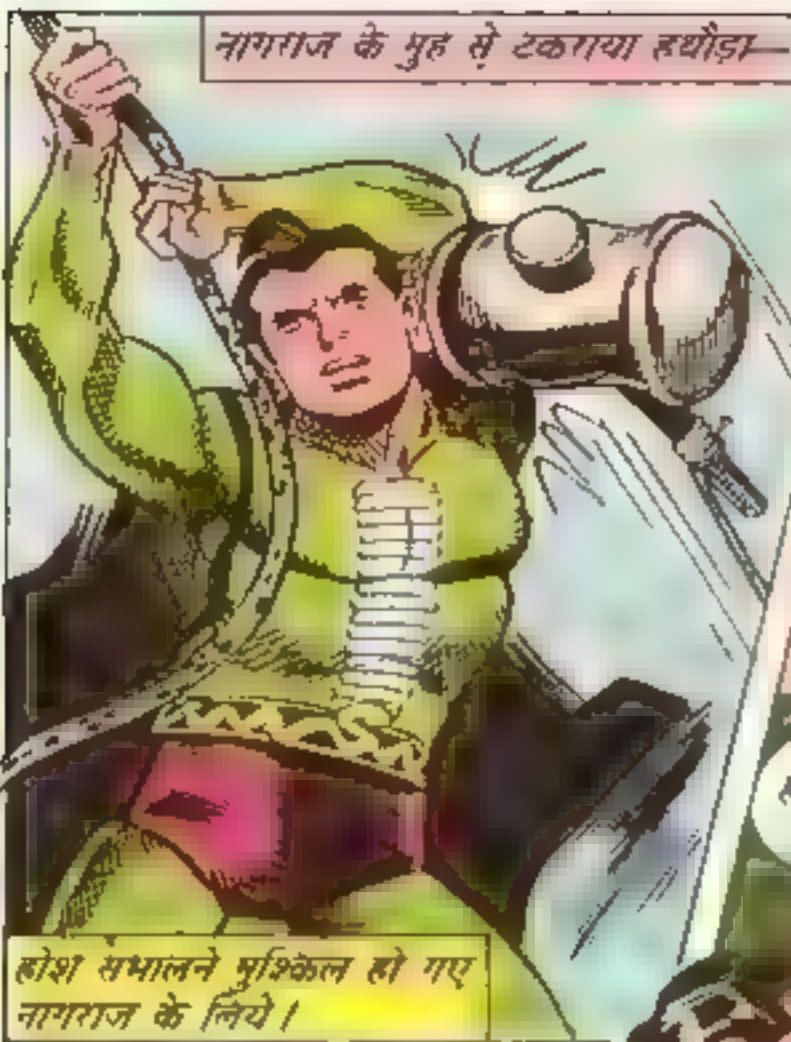
चार मंजुष्य में
फटेगा ना यह बम।

लिया उसका हेण्डग्रेनेड धापा तू भा हा हा।

ना नागराज और फट पड़ा हा हा हा हा।

म के
/

नागराज के मुह से टकराया हथौड़ा—



होश संभालने मुश्किल हो गए नागराज के लिये।

नागराज की लान धूमी—



लूटगैंग के साथ नागराज के मामने खड़ा था तोड़।



बहुत नुकसान पहुंचा चुका लूटगैंग को तू।

नागराज पर दोबाग चार किया तोड़ ने

तोड़ का हथौड़ा अब तेरा मुह तोड़ देगा।



मुह कोन किसका तोड़ता है अभी पता चल जाएगा।

उसकी लान हथौड़े से टकराई और हथौड़ा वापस।

तोड़ उस बार से अपने होश न संभाल सका—



नागराज उखला और तोड़ को दबाव कर उड़ चला।

नागराज तो चला बेटा। मारो एक दूसरे को



तभी बानावण गुन उठा पुलिस म...

ज्यादा कुछ नहीं करना
थी हथकड़ियां लगाने के



लूटगैंग की
बदनसीबी थी कि वह नागराज
से टकरा गया।

बोल कौन है, तुम्हारा
बांस और कहाँ है तुम लोगों
का अड़्डा।



तपाका जेल के
केदी हैं हम। हमारा बांस
है मिस्टर 420 जेल
में ही...

नागराज के सम्मोहन में बंधा वह सब कुछ बकता चला गया।

का जेलर ले गया नागराज को मिस्टर 420 की
सामने।

लो मिल लो नागराज
मिस्टर 420 से। अब इसने
अपराध न करने की कसम
खा ली है।



सारे दिन इन किताबों में
दिमाग लगाए रखता
है।

हुम्म हा,
ठीक है
चलो।



मैं अंदर
जाना चाहता
हूँ।

जेलर ने लॉक खोल दिया।

प्रविष्ट हुआ—

20,
चुका है कि
न जेलर के
जेल में क्या
की है...



जेल चारों तरफ से पुलिस
द्वारा घेरी जा चुकी है और सी०बी०आई०
का स्पेशल स्टाफ इस जेलर को और तुम्हें
गिरफ्तार करने आ रहा है।



जेलर और मिस्टर 420 के चेहरों पर उड़ने लगी थी हवाइयाँ।

तभी सभी कैदियों के गेट खुलते चले गए और कैदियों की।

धुंध फायरिंग शुरू कर



नागराज को धुंसा जड़ दिया पेड़ो ने।



मिस्टर 420 के मुंह से उबल पड़ा अदृष्टाक्ष-

हा हा हा। नागराज! यह है पेड़ो। इसे हमने स्पेशल हार्मोन्स के इंजेक्शन देकर असीमित ताकतवर बना दिया है। इससे ना जीत पाओगे तुम!



...और फिर इसके में यह माइक्रो चिप्स है, जिसका निर्माण जेल में किया था और लुटिंग के हर लुटेरे में भी रोपित किया गया कारण दिमाग से डर हो जाता है और आदेश मानने पर हो जाता है।



अब इस जेल से
बंदा बाहर ना निकल
सकेगा तू।



एक ही धुंसे में कोठरी के बाहर उछाल फेंका
पेड़ो ने नागराज को—



टिङ्का



त की तरफ बढ़ा पेड़ो—

इसके धुंसा से
विभाग अब तक
धूम रहा है।



नागराज ने लेट कर पेड़ो के शरीर को
अपने पैरों पर उठाया और—

...खिड़की की तरफ उछाल फेंका।

ता हा जंगला तोड़ता हुआ पेड़ो का जितना
तरफ बढ़ा—



पक्की जमीन से सिर टकराते ही चूर-चूर हो गया—

हर बुराई का
ऐसा ही बुरा अंत होता
है।



मिस्टर 420, जेलर, जेल के कैदी व जेल के अन्य घट कर्मचारी सी० बी० आई० की गिरफ्त में आ गए।



मिस्टर 420 को एक अन्य अत्यधिक सुरक्षित जेल में पहुंचा दिया गया।



लूटगैंग के छाले से बम्बई शहर में फिर शांति



मोरका नस्ल के नागों के बिष की मदद से बनी दवा से डिसूजा चैरिटेबल अनाथालय के अंधे बच्चों की आंखों को मिल गई रोशनी।



थैंक्यू नागराज !

थैंक्यू कहो मि० डिसूजा को, थैंक्यू कहो, इन डाक्टरों को और इस नन्हें सेण्डो को।

डैटल टुण्डल

और फिर नागराज धूल में अनन्त सफर पर।

सेण्डो ने पिता की मूर्ति के आगे अपनी कसम दोहराई—

नागराज ! डैडी के महान कार्यों व महान इच्छाओं को जीवन देकर भी पूरा करूंगा।



हर पुत्र को तुम्हारी ही तरह बनना चाहिए सेण्डो !

